Date:
Page:

Q.2) स्क्रू एवं स्क्रू-नट :- स्क्रू चुड़ी के सिद्धान्त के अनुसार जब किसी स्क्रू को उसी पिच के नट में एक चक्कर घुमाया जाता है तो स्क्रू चूड़ी का कोई भी बिन्दु स्क्रू की पिच के बराबर उसकी अक्ष की दिशा में सरल रेखीय दूरी से आगे या पीछे चलता है।

यदि स्क्रू की पिच का मान P है तथा स्क्रू चूड़ी की परिधि को n समान भागो में विभक्त कर दिया जाता है, तो स्क्रू चूड़ी को एक पूर्ण चक्कर घुमाने पर पेंच चूड़ी द्वारा चली गई दूरी = P

स्क्रू चूड़ी की परिधि को 1/n भाग घुमाने पर स्क्रू चूड़ी द्वारा चली गई दूरी = P/n

इसलिए P/n को यन्त्र का अल्पतमांक भी कहते हैं।

स्क्रू चूड़ी का अल्पतमांक
= स्क्रू चूड़ी का अल्पतमांक
= स्क्रू चुड़ी का पिच (P) / पेंच चूड़ी की परिधि पर बने भागो की संख्या (n)

यदि P का मान 0.5 mm तथा स्क्रू चूड़ी की परिधि पर बने भागो की संख्या 50 हो तब अल्पतमांक $= \frac{0.5}{50} = 0.01$ mm होगा।